(Shri Lal K. Advani)

Against this background, it is really baffling as to why we have taken resort to this approach of deporting these Tamilian friends of ours, particularly when talks are going on in Thimpu. Therefore, I join my colleagues in expressing concern and urging the Government to reconsider its stand.

REFERENCE TO THE HUNGER STRIKE FOR PAYMENT OF INTERIM RELIEF TO THE DTC EMPLOYEES

श्री अश्विनी कुमार (बिहार) : माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं सदन का और सरकार का ध्यान दिल्ली के डी०टी०सी० में जो हड़ताल, आमरण अनशन चल रहा है, उसकी ओर खींचना चाहता हूं । डी०टी०सी० के इम्पलायीज को केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के अनुसार ही इन्टेरिम रिलीफ देने की बात है ।

यह बात 12-12-1983 में पत्र के द्वारा डी०टी०सी० के डिप्टी जनरल मैनेजर ने कही है कि इन्टेरिम रिलीफ interim relief which has been sanctioned by the Government at different rates to the Central Government employees with effect from 1.6.1983, pending report of the Fourth Pay Commission is also available to the workers of the Corporation.

1-6-1983 से जो इन्टेरिम रिलीफ देना था, वह आज तक नहीं दिया गया है और जब इसके लिए कर्मचारियों ने हड़ताल की, तो 655 कर्मचारियों को हड़ताल करने के अपराध में नौकरी से निकाल दिया गया है और इसी यूनियन के साथ लोक सभा के दिवंगत सदस्य श्री ललित माकन का भी संबंध था । उन्होंने भी इसके लिए बहुत प्रयास किया था, परन्तु सब स्थानों पर आश्वासन देने के बावजूद कि इन्टेरिम रिलीफ दिया जाएगा और जो हड़ताली कर्मचारी निकाले गये हैं, उन्हें पुनः सहानुभूतिपूर्वक रखा जाएगा, आज तक इसकी ओर ध्यान नहीं दिया गया और इस ओर डी०टी०सी० और केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए दिल्ली परिवहन मजदूर संघ के महामंत्री, वेद सिंह आज 20 तारीख से आमरण अनशन पर बैठ गये हैं ।

यह एक बहुत गम्भीर विषय है । डी० टी० सी० के अंदर यदि असंतोष फैलता है, तो दिल्ली की सारी यातायात की व्यवस्था पर संकट आ सकता है और दिल्ली के जो करोड़ों नागरिक प्रतिदिन आवागमन करते हैं, डी०टी० सी० ही जिनका प्रमुख --उसके असंतोष को और जोकि सरकार के आश्वासनों के बावजूद कि हम इन्टेरिम रिलीफ देंगे और जिन को हटा दिया गया है, उन पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेंगे, नहीं किया गया है और फिर आमरण अनशन प्रारम्भ हो गया है एक वरिष्ठ नेता का ।

इन तीनों कारणों से एक विस्फोटक स्थिति उत्पन्न हो रही है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि दिल्ली के परिवहन को सुचारु रूप से चलाने के लिए इस विस्फोटक स्थिति को शीघ्रातिशीघ्र सही ढंग से शांत करने का प्रयास करें ।

REFERENCE TO THE ALLEGED COMMUNAL BIAS IN CERTAIN U.P. SCHOOL TEXT BOOKS

श्री (मौलाना) असरारुल हक (राजस्थान) : जनाब चैयरमैन साहब हमारे मुल्क में इधर कुछ अरसा से इन्सानियत दुश्मन फिर्कापरस्त ताकतें जोरोशोर से सरगर्म अमल है । कहीं सूबायी असबियत कहीं जबान और कहीं मजहब के नाम पर मुल्क की सालमियत, कौमी एकता सेक्यूलरिज्म, अमनो-शांति को तबाह करने पर तुले हुए हैं । बेगुनाहों का खून हो रहा है, भोले-भाले लोगों के जज्बात मुश्तईल करके हमारे देश की एकता और सलामती को तबाह करने की साजिश की जा रही है ।